पाठ 3. फुसफुसाहट

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में विवेचनात्मक सोच संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे अपने अनुभवों का सकारात्मक मूल्यांकन कर सकें। मनोजदास की कहानी 'फुसफुसाहट' में ईमानदारी और बेईमानी के दो प्रतीकों रघु और राजू के बीच जीवन मूल्यों की लड़ाई दिखाई गई है।

पाठ का सार

रघु और राजू की मित्रता को गहरा देने से जिस चीज़ ने रोक दिया, वह थी दोनों की नैतिकता में अंतर। राजू अपनी चतुराई और छलभरी मुसकराहट से सबको छलता और रघु से भी उम्मीद करता कि वह उसका साथ दे।

लेकिन रघु का पथ, ईमान का पथ रहा। नतीजा यह कि बड़े होने पर भी उसकी ईमानदारी और मेहनत ने रघु के जीवन में न तो संपन्नता को आने दिया और विलासिता तो फिर भला आती ही कैसे।

जीवन के किसी मोड़ पर दोनों की भेंट हुई। राजू राजसी ठाठ में था और रघु विपन्नता की बेड़ियों की जकड़ में कैद। राजू ने रघु का अपमान किया इस पर रघु ने राजू को राजदरबार से निकलवाने का संकल्प कर लिया।

वह एक अजनबी बनकर राजा से एक सौदा कर लेता है कि राजा रघु को अपने कान में कुछ फुसफुसाने की अनुमति दे और बदले में रघु से कुछ मोहरें ले लें। राजा को यह खूब रास आया लेकिन रघु की इस फुसफुसाहट से राजू का चोर मन काँप गया। उसने रघु को पहचाना नहीं और राजू रघु को उसकी बेईमानी न बताने के एवज़ में बहुत बड़ी राशि देने लगा। होते-होते एक दिन बहुत सारी मोहरें रघु के पास एकत्रित हो गईं और उसने राजा को सब मोहरें सौंपते हुए सत्य सामने रख दिया।

राजू का पर्दाफ़ाश हुआ। इसके साथ ही सत्य की विजय हुई। सच्चाई के बल पर रघु राजा के दरबार में ऊँचा पद पा गया।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी का आदर्श-अनुकरण पद्धति से मौन-प्रखर वाचन कराएँ। कहानी में घटित घटनाओं के कारण स्थितियों में आने वाले मोड़ों पर प्रसंगवश विवेचना करें। वर्तमान संदर्भ में सरकारी महकमों में फैले भ्रष्टाचार के बारे में चर्चा करें। इसके दुष्परिणामों के बारे में बच्चों की राय जानें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 40** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - लिंग का प्रभाव क्रिया पर कब पड़ता है और कब नहीं, यह समझाएँ। क्रिया के रूपों का अवलोकन कर लिंग की पहचान की जा सकती है, ऐसा उदाहरण देकर समझाएँ।

- ❖ बच्चों को समझाएँ कि संज्ञा के स्थान पर जो प्रश्नसूचक शब्द प्रयुक्त होते हैं, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जिन वाक्यों में प्रश्नवाचक सर्वनाम आए हों, उनमें वाक्य के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न भी लगता है।

क्रियाकलाप के लिए संकेत

- ❖ समाचारपत्रों में भ्रष्टाचार विरोधी प्रसंगों पर लिखे लेखों व खबरों के अंश पढ़कर सुनाएँ। भ्रष्ट लोगों का पर्दाफ़ाश करने के लिए अपने आसपास के वातावरण से समसामयिक भ्रष्टाचार संबंधी घटनाओं पर रिपोर्ट तैयार कराई जा सकती है।